

चारधाम परियोजना

प्रलम्ब के लिये:

चारधाम परियोजना, सीमा सड़क संगठन

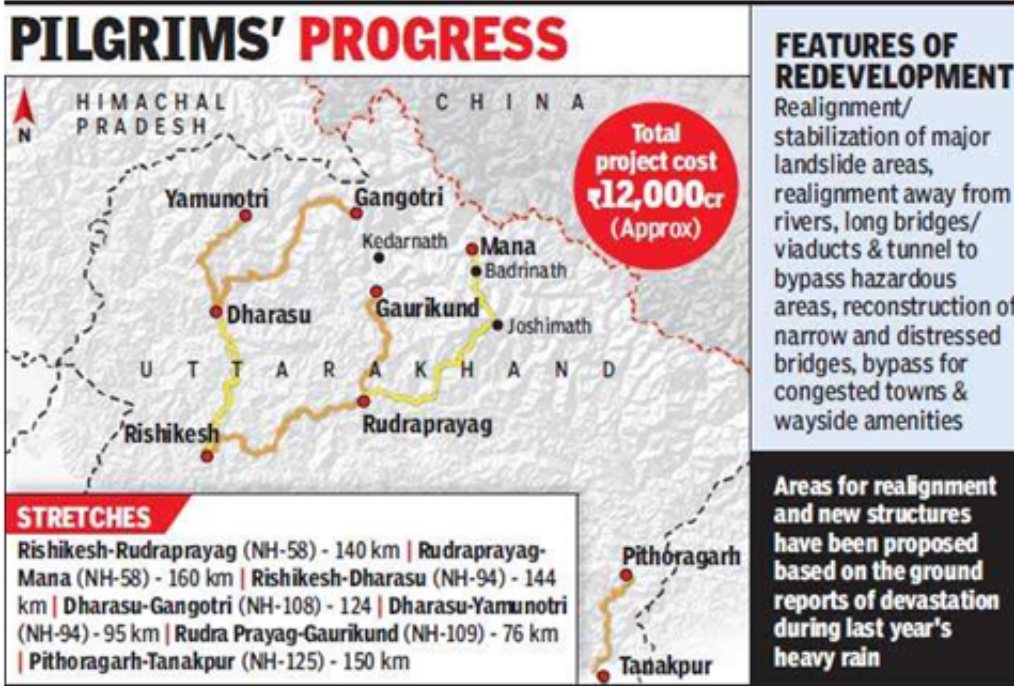
मेन्स के लिये:

चारधाम परियोजना से संबंधित पर्यवरणीय मुद्दे

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [सर्वोच्च न्यायालय](#) ने भारत-चीन सीमा की ओर जाने वाली 'चारधाम परियोजना' (CDP) के तहत सड़कों के वसति के सेना के अनुरोध के संदर्भ में पर्यावरण संबंधी मुद्दों के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को संतुलित करने की आवश्यकता की बात कही है।

- यह अनुरोध चीन द्वारा सीमा पार किये जा रहे निर्माण के संदर्भ में आया है। हालाँकि पर्यावरण संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए एक गैर-सरकारी संगठन द्वारा सड़कों के वसति का वरिध किये गया है।



प्रमुख बडि

- चारधाम परियोजना के वषिय में:
 - उद्देश्य:** चारधाम परियोजना का उद्देश्य हमिलय में चारधाम तीर्थस्थलों (बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री) के लिये कनेक्टिविटी में सुधार करना है, जसिसे इन केंद्रों की यात्रा सुरक्षित, तीव्र और अधिक सुवधिजनक हो सके।
 - यह परियोजना तीर्थ स्थलों और कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग-125) के टनकपुर-पथौरागढ़ खंड को जोड़ने

वाले लगभग 900 किलोमीटर के राजमार्गों को चौड़ा करेगी।

- **राष्ट्रीय सुरक्षा में भूमिका:** यह परियोजना रणनीतिक सड़कों के रूप में कार्य कर सकती है, जो भारत-चीन सीमा को देहरादून और मेरठ में सेना के शिविरों से जोड़ती है, जहाँ मसिाइल बेस और भारी मशीनरी मौजूद हैं।
- **कार्यान्वयन एजेंसियाँ:** उत्तराखंड राज्य लोक निर्माण विभाग (PWD), **सीमा सड़क संगठन (BRO)** और राष्ट्रीय राजमार्ग एवं बुनियादी अवसंरचना विकास नगिम लिमिटेड (NHIDCL)।
 - 'राष्ट्रीय राजमार्ग एवं बुनियादी अवसंरचना विकास नगिम लिमिटेड' सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है।
- **परियोजना के वषिय में पर्यावरण संबंधी चिंताएँ:**
 - यह परियोजना 55,000 पेड़ों के साथ लगभग 690 हेक्टेयर वनों को नष्ट कर सकती है और अनुमानित 20 मिलियन क्यूबिक मीटर मट्टी को प्रभावित कर सकती है।
 - सड़कों के वसितार में पेड़ों की नरिमम कटाई या वनस्पतको उखाड़ना जैव विविधता और कषेत्रीय पारसिथतिकी के लयि भी खतरनाक साबति हो सकता है।
 - कलजि तीतर (लोफुरा ल्यूकोमेलानोस, अनुसूची-1), ट्रैगोपैन (ट्रैगोपन मेलानोसेफालस तथा ट्रैगोपन सत्यरा, अनुसूची-1) और गदिधों की वभिन्नि प्रजातयिों (अनुसूची- 1) जैसी प्रजातयिों यहाँ पाई जाती हैं।
 - यद्यपि चारधाम परयिोजना और हाल ही में **चमोली की गलेशयिर तरासदी** के बीच कोई संबंघ नही है, कति सड़क नरिमाण के दौरान अंधाधुंध वसिफोट से मट्टी और चट्टानों में दरारें आ जाती हैं जो भवषिय में अचानक बाढ़ की संभावना को बढ़ा सकती हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/chardham-project>

